पाठ 13

1. आदम और हव्वा की अवज्ञा करने के बाद परमेश्वर ने क्या किया?

-आदम और हव्वा के अवज्ञा के बाद, परमेश्वर ने आदम को बुलाया।

2. क्या परमेश्वर ने आदम को इसलिए बुलाया क्योंकि वह नहीं जानता था कि आदम कहाँ है?

-नहीं।

-परमेश्वर सब कुछ जानता है।

-परमेश्वर सब कुछ देखता है।

3. परमेश्वर ने आदम को क्यों बुलाया?

-परमेश्वर चाहता था कि आदम उसके पास आए और अपना पाप कबूल करे।

-परमेश्वर चाहते थे कि आदम उनके पास आए और स्वीकार करें कि उन्होंने परमेश्वर की अवज्ञा की थी।

-परमेश्वर चाहता था कि आदम उसके पास आए और स्वीकार करे कि उसने शैतान की बात सुनी थी।

4. परमेश्वर ने सांप को कैसे दंडित किया?

-सांप को अब अपने पेट के बल रेंगना चाहिए।

5. परमेश्वर ने हव्वा को कैसे दण्ड दिया?

-हव्वा बड़े दर्द के साथ बच्चों को जन्म देगी।

6. परमेश्वर ने आदम को कैसे दण्ड दिया?

-आदम ज्यादा पसीने से जमीन पर जुताई करेगा, और थोड़ा मक्का हासिल करेगा।

-परमेश्वर ने भी पृथ्वी को श्राप दिया।

7. वे कौन से चिन्ह हैं जिनसे पता चलता है कि परमेश्वर ने पृथ्वी को श्राप दिया था?

- कई कांटे और मातम हैं।

- कई सूखे और बाढ़ हैं।

- कई जहरीले पौधे और सांप होते हैं।

-जानवर लोगों को काटते हैं।

-लोगों को मेहनत करनी चाहिए।

-लोग बीमार हो जाते हैं।

-लोग मर जाते हैं।

8. परमेश्वर ने आदम और हव्वा को दण्ड देने के कुछ ही समय बाद, परमेश्वर ने क्या करने का वादा किया?

- परमेश्वर ने आदम और हव्वा को दंडित करने के कुछ ही समय बाद, परमेश्वर ने उद्धारकर्ता को भेजने का वादा किया।

9. उद्धारकर्ता क्या करेगा?

-वह लोगों को पाप की शक्ति से बचाने के लिए आएंगे।

- वह लोगों को मौत की ताकत से बचाने के लिए आएगा।

-वह लोगों को शैतान की शक्ति से बचाने के लिए आएगा।

10. उद्धारकर्ता कौन होगा?

-उद्धारकर्ता एक कुंवारी का पुत्र होगा।

11. परमेश्वर ने उद्धारकर्ता को भेजने का वादा क्यों किया?

-क्योंकि परमेश्वर सभी लोगों से बहुत प्यार करते हैं।

12. क्या आदम और हव्वा परमेश्वर के प्रेम के योग्य थे?

-नहीं। आदम और हव्वा अनन्त मृत्यु के योग्य थे।

-आदम और हव्वा ने परमेश्वर की अवज्ञा करने के बाद क्या किया?

- उन्होंने खुद पत्तों के कपड़े बनाए।

-आदम और हव्वा ने खुद को पत्तों के कपड़े क्यों बनाए?

-क्योंकि उन्होंने अपने पाप को छिपाने की कोशिश की।

-क्या कोई अपने पाप को परमेश्वर से छिपा सकता है?

-नहीं।

-कोई भी अपने पाप को परमेश्वर से छिपा नहीं सकता।

-लेकिन परमेश्वर ने आदम और हव्वा द्वारा बनाए गए पत्तों के कपड़ों को मना कर दिया।

- आदम और हव्वा द्वारा बनाए गए पत्तों के कपड़ों को परमेश्वर ने मना क्यों किया?

-क्या परमेश्वर को पत्ते पसंद नहीं हैं?

-नहीं।

-परमेश्वर वह है जिसने पत्तियों को बनाया है।

- आदम और हव्वा द्वारा बनाए गए पत्तों के कपड़ों को परमेश्वर ने मना क्यों किया?

-परमेश्वर आदम और हव्वा को सिखाना चाहते थे कि वे खुद को परमेश्वर के लिए स्वीकार्य बनाने के लिए कुछ भी करने में सक्षम नहीं थे।

-क्या हम अपने पहनावे से खुद को परमेश्वर को स्वीकार कर सकते हैं?

-नहीं।

-क्या हम अपने कामों से खुद को परमेश्वर के लिए स्वीकार्य बना सकते हैं?

-नहीं।

-परमेश्वर उन्हें स्वीकार नहीं करेंगे जो अपने रास्ते पर चलते हैं।

-परमेश्वर उन्हें स्वीकार नहीं करेंगे जो अपना रास्ता खुद चुनते हैं।

-परमेश्वर चाहता है कि हम अकेले परमेश्वर के मार्ग का अनुसरण करें।

-परमेश्वर चाहता है कि हम अकेले परमेश्वर का रास्ता चुनें।

-केवल कौन है जो आदम और हव्वा को परमेश्वर को स्वीकार्य बनाने में सक्षम था?

-परमेश्वर।

-आदम और हव्वा के लिए परमेश्वर ने क्या किया?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 3:21

21-प्रभु परमेश्वर ने आदम और उसकी पत्नी के लिए चमड़े के वस्त्र बनवाए और उन्हें पहिना दिए।

-परमेश्वर ने आदम और हव्वा के लिए जानवरों की खाल के कपड़े बनाए।

-परमेश्वर को जानवरों की खाल कहां से मिली?

-परमेश्वर ने जानवरों को मार डाला, और खाल उतार दी।

-आदम और हव्वा के लिए कपड़े बनाने के लिए परमेश्वर ने जानवरों को क्यों मारा?

-परमेश्वर आदम और हव्वा को पढ़ा रहे थे।

-परमेश्वर आदम और हव्वा को क्या सिखा रहा था?

-वह अवज्ञा मृत्यु लाती है।

-वह पाप मृत्यु लाता है।

-कि पाप की सजा मृत्यु है।

-दुनिया में पहली शारीरिक मौत परमेश्वर ने जानवरों की हत्या की थी।

-हालाँकि आदम और हव्वा की अवज्ञा मृत्यु के योग्य थी, परमेश्वर ने उनके लिए कपड़े बनाए।

-परमेश्वर ने आदम और हव्वा के लिए कपड़े क्यों बनाए?

-क्योंकि परमेश्वर आदम और हव्वा से प्रेम करता था।

-आदम और हव्वा ने खुद कपड़े नहीं पहने।

-यह परमेश्वर था जिसने आदम और हव्वा को कपड़े पहनाए।

-परमेश्वर ने आदम और हव्वा को खुद कपड़े पहनने की अनुमति क्यों नहीं दी?

-परमेश्वर आदम और हव्वा को सिखा रहे थे कि केवल परमेश्वर ही लोगों को कवर कर सकते हैं।

-परमेश्वर आदम और हव्वा को सिखा रहे थे कि वह उन्हें स्वीकार नहीं करेंगे जो उनके अपने तरीके से चलते हैं।

-परमेश्वर आदम और हव्वा को सिखा रहे थे कि वह उन्हें स्वीकार नहीं करेंगे जो अपना रास्ता खुद चुनते हैं।

-परमेश्वर आदम और हव्वा को अकेले परमेश्वर के मार्ग का अनुसरण करना सिखा रहे थे।

-परमेश्वर आदम और हव्वा को अकेले परमेश्वर का रास्ता चुनना सिखा रहे थे।

-आदम और हव्वा के कपड़े पहनने के बाद परमेश्वर ने क्या किया?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 3:22-23

22-और यहोवा परमेश्वर ने कहा, मनुष्य भले बुरे को जानकर अब हम में से एक के समान हो गया है। उसे हाथ बढ़ाकर जीवन के वृक्ष का फल भी लेने और खाने और सर्वदा जीवित रहने की अनुमति न दी जाए।"

23 तब यहोवा परमेश्वर ने उसे अदन की वाटिका में से निकाल दिया, कि जिस भूमि से वह लिया गया था उस पर काम करे।

-पिता परमेश्वर, पुत्र परमेश्वर और पवित्र आत्मा परमेश्वर आदम और हव्वा के बारे में बात कर रहे थे।

-इससे पहले, आदम और हव्वा केवल अच्छा ही जानते थे।

-अब, आदम और हव्वा बुराई को जानते थे।

-इससे पहले, आदम और हव्वा केवल आज्ञाकारिता जानते थे।

-अब, आदम और हव्वा अवज्ञा करना जानते थे।

-इससे पहले, आदम और हव्वा को कोई शर्म नहीं आती थी।

-अब, आदम और हव्वा शर्मिंदगी जानते थे।

-इससे पहले, आदम और हव्वा केवल जीवन को जानते थे।

-अब, आदम और हव्वा मृत्यु को जानते थे।

-क्योंकि आदम और हव्वा ने पाप किया, परमेश्वर ने उन्हें अदन की वाटिका से बाहर भेज दिया।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 3:24

24 जब परमेश्वर ने उस मनुष्य को निकाल दिया, तब उस ने अदन की वाटिका के पूर्व की ओर करूबोंको रखा, और जीवन के वृक्ष के मार्ग की रखवाली करने के लिथे एक धधकती हुई तलवार रखी।

-परमेश्वर ने ऐसा क्या किया कि आदम और हव्वा कभी अदन की वाटिका में नहीं लौटेंगे?

-परमेश्वर ने करूब नामक स्वर्गदूतों और अदन की वाटिका के प्रवेश द्वार पर एक ज्वलंत तलवार को रखा।

-परमेश्वर ने ऐसा क्यों किया?

-परमेश्वर नहीं चाहते थे कि आदम और हव्वा अदन की वाटिका में लौट आएं।

-परमेश्वर आदम और हव्वा को अदन की वाटिका में वापस क्यों नहीं आने देना चाहते थे?

-क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की अवज्ञा की थी और पाप किया था।

-क्या आदम और हव्वा की मृत्यु हो गई?

-हां।

-आदम और हव्वा की मृत्यु कैसे हुई?

-आदम और हव्वा परमेश्वर से अलग हो गए थे।

-आदम और हव्वा परमेश्वर से अलग हो गए जिन्होंने उन्हें जीवन दिया।

-आदम और हव्वा अब परमेश्वर के साथ नहीं रह पा रहे थे।

-आदम और हव्वा अब परमेश्वर के साथ नहीं रह पा रहे थे।

-आदम और हव्वा को परमेश्वर से अलग रहना पड़ा।

-परमेश्वर पवित्र है।

-परमेश्वर पाप के साथ नहीं रह सकते।

-पाप के लिए परमेश्वर की सजा मौत है।

-आदम और हव्वा सभी लोगों के पिता और माता हैं।

-क्योंकि आदम और हव्वा मर गए, सभी लोग मर गए।

-क्योंकि आदम और हव्वा परमेश्वर से अलग हो गए थे, सभी लोग परमेश्वर से अलग हो गए थे।

-परमेश्वर पवित्र है।

-परमेश्वर पाप के साथ नहीं रह सकते।

-पाप के लिए परमेश्वर की सजा मौत है।